D. B. College. Jaynagar
Deptt of Pol. science
B. A III - Pub - Admin -

Dr. A. K. Yadav
Asstt Prof. G.P.T.T
Political science

Date - 31-10-2020

Lecture. No - 30

लूथर गुलिक तथा एल० एफ० उर्विक के विचार
(Ideas of Luther Gulick And L. F Urwick)

शास्त्रीय विचारधारा के अन्तर्गत व्यापक विश्लेषण लूथर गुलिक और एल० एफ० उर्विक द्वारा 1937 ई० में सम्पादित 'पेपर्स आन द साइन्स ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन' (Papers on the science of Administration) में किया गया। लूथर गुलिक ने संगठन के सिद्धांतों को 'पोस्डकोर्ब' (POSDCORB) शब्द में संगृहीत किया है। इसका एक - एक अक्षर विशेष कार्यों का उल्लेख करता है।

पोस्डकोर्ब (POSDCORB) -

P - Planning (नियोजन) - आवश्यक कार्यों की रूपरेखा तैयार करना और उद्यम के निश्चित प्रयोजन की प्राप्ति के लिए आवश्यक पद्धति को निश्चित करना।

O - Organizing - (संगठन बनाना) - प्राधिकार या सत्ता के औपचारिक स्वरूप की स्थापना करना और उससे निश्चित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्य को विभिन्न भागों में व्यवस्थित, परिभाषित एवं समन्वित करना।

S - Staffing (कर्मचारियों की नियुक्ति करना) - कर्मचारियों की भर्ती और प्रशिक्षण की व्यवस्था तथा उनके कार्य के अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण करना।

Scanned with CamScanner

D- Directing - (निर्देशन करना) - निर्णय करना और इन्हें विशिष्ट और सामान्य आदेशों और निर्देशों का रूप प्रदान करना।

Co-ordinating - (समन्वय करना) - कार्य के विभिन्न भागों में पारस्परिक सम्बन्ध स्थापित करना। यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य है।

R- Reporting - (प्रतिवेदन देना) - कार्यपालिका जिसके प्रति उत्तरदायी होती है, उन्हें प्रशासन की गति-विधियों से अवगत रखना, इसके लिए प्रतिवेदन देना।

B. Budgeting (बजट बनाना) - बजट सम्बन्धी कार्यों को करना।

इसके अतिरिक्त मूने तथा रैले ने भी निम्नलिखित चार सिद्धांतों का उल्लेख किया है -

1- समन्वयात्मक सिद्धान्त
2- पदसोपान सिद्धान्त
3- कार्यात्मक सिद्धान्त
4- स्टाफ एवं सूत्र सिद्धान्त

End